बेटा-लाला की पुकार के साथ स्नेह से गाल खिलाने वाले शंकरलाल अब नहीं मिलेंगे

भाजपा को संघर्ष की राजनैतिक पहचान देने वाले तीन बार के विधायक का दिल्ली में निधन

नवभारत न्यूज

सतना 12 अक्टूबर, राजनीति में रहने के बावजूद उससे ऊपर उठकर जनसेवक के मूल पाठ को हमेशा अपने जीवन का आधार मानने वाले शंकर लाल तिवारी का शहर की जनता से बिछडना शायद ही किसी को भूलेगा.देखते ही बेटा-लाल की पुकार के साथ स्नेह से गले लगाना और गाल खिलाना उनके लिए इतना सहज था कि लोग उस प्रेम भरे लगाव को शायद ही कभी भूला पाएगें.

भारतीय लोकतंत्र की जीती जागती मिशाल रहे शंकर भले पैदा मुफलिसी में हुए हो,लेकिन लोगों की मदद का मद्दा और संघर्ष करने का साहस उन्हे राजनीति में रहते हुए भी बहुतों से अलग साबित करता रहा है.महज करीब 72 साल की उम्र में अपनी चहेती जनता से बिदा हुए श्री तिवारी ने सम्बन्धों को जितना महत्व अपने जीवन में दिया है.उतना राजनीति में सफल होने के बाद लोग कम ही याद रखते हैं.पं दीनदयाल उपाध्यक्ष के अंतोदय सिद्धातं के उचित इस सारथी से मिलने और अपनी बात कहने में कभी किसी कमजोर,गरीब और पिछडे को कुछ सोचना नहीं पड़ा.शहर के चंद व्यापारियों ने आर्थिक मदद कर राजनीति के लम्बे -चौडे फलक पर उन्हे पहुचाने की जो पहल की.उसके पीछे उनका वर्षों से वह प्रयास था

जो वे बिना किसी अपेक्षा के कर रहे थे.जनसंघ के युवा संगठन से राजनीति शुरू करने वाले शंकरलाल तिवारी जितने जनसंघी थे, उतने ही पूर्व सांसद स्वर्गीय रामानंद सिंह के शार्गिद होने के नाते समाजवादी भी थे. शहर की विधानसभा सीट से लगातार तीन बार जीत दर्ज करा कर इतिहास बनाने वाले श्री तिवारी के पीछे चलने वाली समर्थकों और कार्यकर्त्ताओं की फौज भले कभी किसी को दिखाई न दी हो.पर शहर का शायद ही कोई ऐसा घर होगा जहां रहने वाले उनके रूकने पर पानी के लिए न पूछे.जनता के दिल में अपने अपनापन से जगह बनाने वाले श्री तिवारी ही एक ऐसे नेता थे जिनके चुनाव हार जाने पर सतना की जनता ने अपने फैसले में अफसोस जताया था.लगातार लोग के बीच सतत सम्पर्क में रहने के आदी शंकरलाल सक्रिय राजनीति से बाहर होने के बाद भी इस उम्र में उतने ही क्रियाशील थे जितने पहले.लोगों के दुख-सुख में आना जाना उनके लिए दैनिक दिनचर्या का हिस्सा रहा.सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के बाद भी अपने पहनावे और व्यवहार में सहज रहने वाले श्री तिवारी ने एक बार जब अपनी दाढ़ी किन्ही कारणों से हटा दी तो लोगों ने उन्हे अपनी पुरानी पहचान कायम रखने के लिए विवश कर दिया.अक्टूबर माह के रविवार की दोपहर ने शहर की जनता से उसका शुभचिंतक हमेशा-हमेशा के लिए छीन लिया.आग की तरह फैली यह खबर दोपहर बाद जिले के हर नागरिक के मुहं में थी.सभी का यही कहना था कि श्री तिवारी उनसे जल्दी बिछड़ गए.

उत्कृष्ट विद्यालय में स्नेह संचार सभा आयोजित

▸ सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर विषय पर हुआ मंथन

नवभारत न्यूज

सतना 12 अक्टूबर. विद्यालय से परिवार तक मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक समरसता युक्त समाज के निर्माण के लिए राज्य आनंद संस्थान के सहयोग से शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय व्यंकट क्र. 1 में स्नेह संचार सभा आयोजित की गई.

जिला मास्टर ट्रेनर ईको क्लब मोहित गर्ग द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि स्नेह संचार सभा सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर विषय पर एक महत्वपूर्ण पहल है. जिसके माध्यम से विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक को आत्म विकासख सह अस्तित्व और मानवीय संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना प्रमुख उद्देश्य है. इस आयोजन का संयोजन स्कूल शिक्षा विभाग, राज्य आनंद संस्थान और यूएचवी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. इस अवसर पर संभाग कोऑर्डिनेटर डॉ. रामायण प्रसाद विश्वकर्मा, को-कोऑर्डिनेटर अल्का सिंह, व शिवेश श्रीवास्तव, लीड वॉलेंटियर आशा तिवारी के साथ साथ मोहित गर्ग, दुर्गा देवी गौतम, कुंदन सिंह, मंजूलता, रामनरेश नामदेव, सतीश गुप्ता, पवन यादव, महेंद्र त्रिपाठी, अनिल रजक, डॉ. सुमंत सिंह, रीवा से विपिन यादव, लक्ष्मीकांत गर्ग, रेनू साहू, उमरिया से सुषमा पटेल, शहडोल से राजीव मिश्रा, पन्ना से रमाकांत मिश्रा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे. इसके साथ ही राज्य आनंद संस्थान से रिसोर्स पर्सन मोहित श्रीवास्तव और एआईसीटीई से रिसोर्स पर्सन भानु प्रताप व संजना ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई.

पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी के निधन की सूचना से दौड़ी शोक की लहर

नवभारत न्यूज

सतना 12 अक्टूबर, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी का इलाज के दौरान रविवार को दिल्ली एम्स में निधन हो गया .उनका अंतिम संस्कार सोमवार को नजीराबाद मुक्तिधाम में किया जाएगा.

लगातार तीन बार सतना विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व करने वाले श्री तिवारी एक माह से अस्वस्थ्य चल रहे थे.उन्हें बुखार न ठीक होने की स्थिति में इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था.जहां उनका निधन हो गया.परिजनों के मुताबिक उनकी अंतिम यात्रा 12 बजे उनके निज निवास से शहर भृमण के पश्चात मुक्तिधाम पहुचेगी. श्री तिवारी का पार्थिव शरीर दिल्ली एम्स से सतना के लिए रवाना हो चुका है। शव के सोमवार की सुबह लगभग 4 बजे सतना पहुंचने संभावना है। यहां सुभाष चौक स्थित निज निवास पर अंतिम दर्शन के लिए शव रखा जाएगा। अंतिम यात्रा दोपहर 12 बजे उनके निवास से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, गांधी चौक, हनुमान चौक, पुराना पावर हाउस चौक, पन्नीलाल चौक, बिहारी चौक, जयस्तंभ चौक गौशाला चौक होते हुए श्रीतारादेवी मुक्तिधाम नाजीराबाद पहुंचेगा जहां विधि-विधान अंतिम संस्कार होगा। यह जानकारी उनके पारिवारिक सूत्रों ने दी।

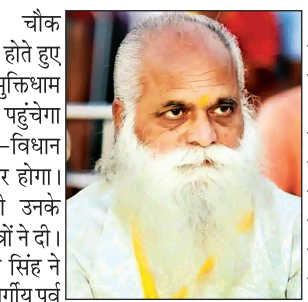

सांसद गणेश सिंह ने रविवार को स्वर्गीय पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। इस दुखद अवसर पर सांसद सिंह ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी के निधन पर महापौर योगेश ताम्रकार ने जताया दु:ख उन्होंने कहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक, परम आदरणीय श्री शंकरलाल तिवारी जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई थी। तीन बार सतना से विधायक रहकर भी उन्होंने हमेशा जमीनी नेता के रूप में अपनी सादगी और जनता से जुड़ाव बनाए रखा।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय ने व्यक्त की गहरी शोक संवेदना. जदयू नेता अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन की खबर से स्तब्ध और दुखी हूं स्व श्री तिवारी ने अपने सम्पूर्ण जीवन काल में हमेशा हर उस लडाई को लडी जिसमें जनहित जुडा था जहां भी उन्होंने अनीति और अन्याय देखा चट्टान की तरह प्रतिकार के लिए खड़े रहे एक सच्चे जनप्रतिनिधि होने का बोध कराया सहजता और शालीनता का परिचय दिया उनके निधन से सतना ने एक शानदार जननेता खो दिया ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और परिवार को सहन शक्ति दे।

प्रांतीय गीता गायन प्रतियोगिता में बाल प्रतिभाओं ने मोहा सबका मन

नवभारत न्यूज

सतना 12 अक्टूबर, अंतरराष्ट्रीय चिन्मय मिशन की प्रेरणादायी परंपरा के अंतर्गत चिन्मय मिशन सतना के अयोजकत्व मे प्रांतस्तरीय गीता गायन प्रतियोगिता एक आध्यात्मिक पर्व के रूप में प्रकट हुई।

रविवार को संपन्न इस दिव्य आयोजन में नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के बालक-बालिकाओं ने श्रीमद्भगवद्गीता के पन्द्रहवें अध्याय के श्लोकों का मधुर ओजस्वी एवं भावपूर्ण गायन कर वातावरण को गीता-मय बना दिया। उनके निष्कलुष कंठों से नि:सृत गीता के पदों ने उपस्थित जनसमुदाय के हृदयों को छू लिया, मानो स्वयं योगेश्वर श्रीकृष्ण का उपदेश ध्वनित हो रहा हो।

आयोजन की प्रांत संयोजिका श्रीमती आशा नायक ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मचारिणी गार्गी चैतन्य एवं पूज्य ब्रह्मचारी वल्लभ चैतन्य के पावन सान्निध्य में गुरुस्तुति एवं दीपप्रज्वलन के साथ हुआ। सच्चे अर्थों में यह केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आत्मा के स्वर की अभिव्यक्ति है। मिशन के सचिव मनमोहन माहेश्वरी ने बताया कि रीवा भोपाल इंदौर एवं सतना शाखा के चयनित बालक बालिकाओं ने भावनापूर्ण प्रस्तुतीकरण किया। उनके बालमन से निकला हर श्लोक ऊर्ध्वमूलमध:शाखम्... जैसे अमृत वचन, सुनने वालों के अंत:करण को स्पर्श कर गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की निष्कपट वाणी में गीता का तत्वज्ञान जब मुखरित हुआ, तो वातावरण भक्तिभाव और आत्मीयता से परिपूर्ण हो उठा ।पुरुस्कार वितरण में अतिथि के रूप में समाजसेवी मणिकांत माहेश्वरी इंजी.रमेश जैन सुनील सेनानी विट्स के अलावा उद्घाटन सत्र में समाजसेवी प्रदीप अवस्थी प्रदीप ताम्रकार राकेश तिवारी डॉ मानिकचंद गुप्ता किरण गुप्ता उपस्थित रहे।

साइकिलिंग क्लब ने किया 100 किमी का सफर

नवभारत न्यूज

सतना 12 अक्टूबर, एडॉक्स इंडिया से संबद्ध सतना साइकलिंग क्लब द्वारा रविवार को सतना से पहाड़ीखेरा सतना जो बाँदा कालिंजर रोड पर स्थित है के बीच 100 किलोमीटर साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सतना साइकिलिंग क्लब सचिव वीरेंद्र सिंह रावल ने बताया कि प्रतियोगिता में 7 साइकिलिस्ट्स ने भाग लिया एवं सफलतापूर्वक 4.30 घंटे में 100 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की. शीत ऋतु की शुरुआत प्रात: काल की हल्की गुलाबी ठंड में सभी पंजीकृत साइक्लिस्ट वीरेंद्र सिंह रावल डॉक्टर प्रभात सिंह बघेल राहुल यादव, विवेक जनवाणी अमित अग्रवाल, निखिल जैन, हर्ष धनवानी नागौद की ओर रवाना हुए जहां सतना नगर से निकलते ही कुहासे में अपनी साइकिलों की फ्लैश लाईट चमकाते हुए साइकिल सवार धीरे धीरे आगे बढ़े। यात्रा का पड़ाव सीधे पहाड़ीखेड़ा था जहां कुछ देर विश्राम के बाद सभी प्रतिभागी पहाड़ी खेड़ा की खूबसूरत घाटियों, बरसात के बाद हरे भरे पे?ों की कई प्रजातियों से सुसज्जित वन्य सम्पदा का दीदार करते, रमणीय रास्तों में छोटी बरसाती नदियों, तालाबों व वन्य प्राणियों के दर्शन लाभ लेते हुए पहुंचे.